वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 286 रविवार 15 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वैश्य समाज देश की आर्थिक रीढ़, विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य में भागीदारी अनिवार्य

नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें युवा

35 लाख करोड़ के निवेश और नई युवा नीति से बदलेगी राजस्थान की तस्वीर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

निवेश और युवा नीति: रोजगार के नए अवसर

राजस्थान में निवेश के माहौल पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले ही वर्ष में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) प्राप्त हुए हैं। इसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर धरातल पर काम भी शुरू हो चुका है। सरकार ने खनन, पर्यटन और उद्योग के लिए विशेष नीतियां जारी की हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नई 'युवा नीति' लागू की गई है। 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के माध्यम से हर जिले के स्थानीय उद्योगों को वैश्विक पहचान मिल रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। सरकार ने 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने का जो वादा किया था, उस पर तेजी से अमल हो रहा है। अब तक सवा लाख से अधिक नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और वर्ष 2026 के लिए भर्तियों का विस्तृत कैलेंडर जारी कर दिया गया है।

अंतिम पायदान के व्यक्ति का उदय

संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की हर योजना का केंद्र बिंदु वह व्यक्ति है जो समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ा है। राजस्थान आज 11 जनकल्याणकारी योजनाओं में देश में प्रथम स्थान पर है, जो सरकार की सक्रियता को दशार्ता है। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित प्रबुद्धजनों से आान किया कि वे सरकारी योजनाओं के लाभ को जरूरतमंदों तक पहुँचाने में 'कड़ी' का काम करें। महासम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, सांसद मदन राठौड़, दामोदर अग्रवाल, विधायक कालीचरण सराफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक और वैश्य समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भांकरोटा में आयोजित 'अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन' में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने वैश्य समाज को देश की 'आर्थिक रीढ़' बताते हुए कहा कि विकसित भारत और विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को सिद्ध करने में इस समाज की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए नया मंत्र दिया कि युवा अब नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले (उद्यमी) बनें। ऐतिहासिक योगदान और आर्थिक सुदृढ़ता

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में वैश्य समाज के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत के आर्थिक इतिहास में वैश्य समाज का योगदान सदैव अग्रणी रहा है। हजारों वर्षों से इस समाज ने अपनी ईमानदारी, परिश्रम और व्यापारिक कौशल के दम पर देश की अर्थव्यवस्था को थामे रखा है। आजादी के संघर्ष से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक, छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों ने मिलकर राष्ट्र को मजबूती प्रदान की है। राजस्थान के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प, रत्न-आभूषण, वस्त्र और खाद्य उद्योगों में जो आज चमक दिखाई देती है, वह वैश्य समाज की दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। राजस्थान को भी इसी श्रेणी में लाने के लिए वैश्य समाज का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने समाज के अनुभवी व्यापारियों और वरिष्ठ जनों से अपील की कि वे अपने संचित ज्ञान और अनुभव को नई पीढ़ी तक पहुँचाएँ। अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन ही नए 'स्टार्टअप' और लघु उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्य समाज केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक संरक्षण में भी इस समाज का कोई सानी नहीं है। देश-विदेश में कहीं भी रहने वाला वैश्य समाज अपनी जड़ों और संस्कृति से सदैव जुड़ा रहता है और जनहित के कार्यों में अग्रणी रहता है।

राज्य सरकार की प्राथमिकताएं: जल, ऊर्जा और उद्योग: प्रदेश के सर्वांगीण विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए स्पष्ट रोडमैप पर काम कर रही है। उन्होंने महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उल्लेख किया।

आदिनाथ जयंती पर भक्तामर दीप महार्चना का भव्य आयोजन, स्वर्ण थाल में प्रज्वलित हुए 48 दीपक

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा 'आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती' तक आयोजित किए जा रहे 'धर्म यात्रा' कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को स्थानीय आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा और उल्लास का संगम देखा गया। प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मंदिर में भव्य 'भक्तामर दीप महार्चना' का आयोजन किया गया। संध्याकालीन आरती के पश्चात, आचार्य मानतुंगाचार्य रचित भक्तामर स्तोत्र के 48 काव्यों का पाठ किया गया। रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के उच्चारण के बीच साधर्मी बंधुओं द्वारा स्वर्णिम थाल में 48 दीपकों को प्रज्वलित कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापक अध्यक्ष सुमेरचंद सोनी और शशि सोनी ने मंगलदीप जलाकर की।

बालक आदिनाथ की पालना झुलाई

भगवान आदिनाथ के जन्म महोत्सव पर जैन समाज के बंधुओं ने भक्तिपूर्ण नृत्य करते हुए बालक आदि कुमार की पालना झुलाई। इस अवसर पर भगवान के माता-पिता (राजा नाभि राय और माता मरुदेवी) बनने का सौभाग्य सुमेरचंद सोनी और शशि सोनी को प्राप्त हुआ। सर्वप्रथम माता-पिता ने और तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक-एक कर पालना झुलाकर धर्म लाभ लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र जैन 'नृपत्या', सचिव महेश जैन, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश जैन सहित मंगल जैन, दीपेंद्र जैन, राजेंद्र गंगवाल, अभिनंदन जैन, राकेश जैन और अशोक पांड्या सहित भारी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष उपस्थित रहे। समाज के युवाओं और महिलाओं ने भजनों पर नृत्य कर अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त की।

राग उससे करो जो दिखाए वैराग्य का मार्ग: आर्यिका अरहन श्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी, ज्योति नगर स्थित जैन मंदिर में विराजित आर्यिका अर्हम श्री माताजी के ससंघ सानिध्य में आर्यिका अरहन श्री माताजी ने शनिवार को धर्म सभा को संबोधित किया। उन्होंने मोह और राग की व्याख्या करते हुए कहा कि सांसारिक मोह के बजाय हमें राग उससे करना चाहिए जो हमें वैराग्य की राह दिखा सके।

जिनवाणी ही वैराग्य का आधार

आर्यिका श्री ने विस्तार से समझाया कि वैराग्य की सच्ची राह केवल 'जिनवाणी' (तीर्थंकरों की वाणी) या जिनवाणी के सच्चे उपासक ही दिखा सकते हैं। उन्होंने जीवन में 'लक्ष्य' के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि केवल लक्ष्य का निर्धारण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसके अनुरूप अपने लक्षणों और आचरण को ढालना भी अनिवार्य है। बिना सही आचरण और लक्षणों के निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचना संभव नहीं है।

धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

इससे पूर्व, सभा की शुरूआत में सर्व विघ्न विनाशक 108 जाप कराए गए, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक मंत्रोच्चार किया। कार्यक्रम का समापन सांध्यकालीन प्रतिक्रमण, जिनवाणी वंदन और आरती के साथ हुआ। जनकपुरी में इन दिनों भक्ति का विशेष माहौल है। यहाँ नित्य प्रातः काल मंगल प्रवचन, मध्याह्न में स्वाध्याय तथा सायंकाल आरती व गुरु भक्ति के आयोजन हो रहे हैं। धर्म सभा में स्थानीय समाज के साथ-साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

धर्म का मर्म: कर्म सिद्धांत ही जीवन का आधार: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

देवगढ़ (प्रतापगढ़). शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज ससंघ की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' इन दिनों राजस्थान की धरा पर गतिमान है। दीक्षा भूमि परतापुर (बांसवाड़ा) की ओर विहार के क्रम में अतिशय क्षेत्र देवगढ़ में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने जैन दर्शन के गूढ़ रहस्यों और कर्म सिद्धांत पर प्रकाश डाला।

कर्म ही सुख-दुख का आधार

आचार्य श्री ने कहा कि आज के इंसान को धर्म का मर्म इतना समझ आ जाए कि वह अपनी गरीबी या परिस्थितियों को केवल किस्मत न मानकर अपने कर्मों का प्रतिफल समझे। जैन दर्शन कर्म सिद्धांत को सर्वोपरि मानता है। सुख-दुख, पुण्य-पाप और अच्छा-बुरा—सब हमारे अपने ही किए कर्मों का फल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैन धर्म में जातिवाद, वर्णवाद या संकीर्णता के लिए कोई स्थान नहीं है। जैन कोई जाति नहीं, बल्कि ''अहिंसा परमो धर्म'' का साक्षात स्वरूप है।

वीतरागता और धर्म का स्वरूप

धर्म की व्याख्या करते हुए अंतर्मना ने कहा, 'जो धारण किया जाए, वही धर्म है।' धर्म वस्तु का स्वभाव है, जो किसी वैर-विरोध, सम्प्रदायवाद या पंथवाद की सीमाओं से कोसों दूर है। जैन धर्म एक प्राकृतिक और वस्तुनिष्ठ मार्ग है। जिनेन्द्र भगवान वे हैं जो समस्त वासनाओं से रहित, जन्म-मरण से मुक्त और वीतरागी हैं। वे ज्ञाता-दृष्टा हैं, सृष्टि के कर्ता-धर्ता नहीं। आचार्य श्री ने प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने ही मानव समाज को जीवन जीने की छह

कलाएँ– असि, मसि, कृषि, शिल्प, वाणिज्य और विद्या सिखाईं। उन्होंने अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि-ज्ञान और सुन्दरी को अंक-ज्ञान (शून्य व अंकों का आविष्कार) कराया। इसी कारण उन्हें भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और विश्वकर्मा जैसे विभिन्न रूपों में स्मरण किया जाता है। नरेंद्र अजमेरा एवं पियूष कासलीवाल ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का शनिवार को अतिशय क्षेत्र देवगढ़ में पूजन और आहार चर्या संपन्न हुई। आज शनिवार दोपहर 3:30 बजे पूज्य संघ का मंगल विहार जोलन स्कूल की ओर होगा।

दिगंबर जैन महासमिति महिलांचल का सातवां मासिक विधान सम्पन्न, भक्ति रस में डूबा रॉयल रेवेन्यू कॉलोनी मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिलांचल के तत्वावधान में शनिवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, द रॉयल रेवेन्यू कॉलोनी में सातवां मासिक अभिषेक एवं पूजन विधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन अत्यंत भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावकों ने धर्म लाभ लिया।

भक्तिमय वातावरण और पूजन

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसका सौभाग्य संभाग अध्यक्षा श्रीमती निशा शाह को प्राप्त हुआ। पूजन का संचालन श्रीमती सुनीता गंगवाल एवं संगीता जैन द्वारा संगीतबद्ध शैली में किया गया। मंत्रोच्चार और भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा के साथ भगवान का अभिषेक कर शांतिधारा की और विधान की अर्घ्य समर्पित किए।

प्रमुख जनों की उपस्थिति

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री महावीर जी चांदवाड़ और श्री महावीर जी बिंदायका उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या और अंचल कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। मंदिर समिति की ओर से अध्यक्ष रमेश जैन, मंत्री निशा शाह, महावीर गोदिका, महेंद्र जैन, सुरेश जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

महिलांचल का सशक्त नेतृत्व

कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप देने में महिलांचल अध्यक्षा शकुंतला बिंदायक्या, मंत्री सुनीता जैन और उपाध्यक्ष रचना वेद का मुख्य योगदान रहा। साथ ही श्रीमती अनीता जैन, ज्ञान बिलाला, पिंकी बिलाला, मंजू पाटनी, सुलोचना जी और सीमा सोनी सहित पूरी टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित श्रावकों ने शकुंतला बिंदायक्या के कुशल नेतृत्व और महासमिति के इस आध्यात्मिक प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की।

वात्सल्य भोज

विधान के समापन के पश्चात दिगंबर जैन महासमिति की ओर से वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया, जिसकी व्यवस्था श्रीमती शकुंतला बिंदायक्या द्वारा की गई। महासमिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य समाज में

धार्मिक चेतना जागृत करना और पारस्परिक एकता को सुदृढ़ करना है।

महावीर इन्टरनेशनल द्वारा 'विश्व शान्ति महायज्ञ' का आयोजन, अमन और चैन के लिए सर्वसमाज ने दी आहुतियां

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

'सबकी सेवा, सबको प्यार' और 'जीयो और जीने दो' के मानवीय सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए महावीर इन्टरनेशनल कुचामन द्वारा भव्य 'विश्व शान्ति महायज्ञ' का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व में बढ़ती अराजकता और अशांति को समाप्त कर वैश्विक शांति और भाईचारे की स्थापना के उद्देश्य से किया गया।

सर्वसमाज की रही सहभागिता

संस्था के पदाधिकारियों–रीजन 3 के उपाध्यक्ष वीर नरेंद्र राका, अजमेर जोन अध्यक्ष वीर बाबूलाल जैन और अजमेर जोन सचिव वीर कैलाश चन्द पांड्या की प्रेरणा से आयोजित इस महायज्ञ का नेतृत्व गायत्री मन्दिर के परिव्राजक महेश चौरसिया ने किया। गायत्री परिवार के सानिध्य में आयोजित इस यज्ञ में सर्वसमाज के 111 लोगों ने भाग लेकर विश्व कल्याण की कामना की। महायज्ञ में संस्था के अध्यक्ष रामावतार, चन्दा गोयल, सोहन लाल, शारदा वर्मा, रितु दीपक बंसल, और रमा अनिल टाटनवाल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इनके साथ ही विकास समिति के शिवकुमार अग्रवाल, लायंस क्लब कुचामन फोर्ट के मुरली गोयल, संपर्क संस्थान से सुशीला चौहान और पेंशनर समाज के प्रकाश मेहरडा

सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गायत्री परिवार से नंद किशोर बंसल, भेरुलाल उपाध्याय और महावीर इन्टरनेशनल के वीर सुरेश जैन, अजित पहाड़िया, रतनलाल मेघवाल व अशोक अजमेरा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं ने भी आहुतियां दीं।

बहुमान और आभार

कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा मुख्य संचालक महेश चौरसिया एवं संगीता चौरसिया का तिलक लगाकर और दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया। अंत में, जोन (मिश्री प्रोजेक्ट) के संयोजक वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

धर्म-कर्म

कर्म ही पूजा, श्रम ही धर्म

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

भारतीय संस्कृति में लोकदेवियों और लोकदेवताओं का स्थान अत्यंत गौरवशाली रहा है। ये महापुरुष और देवियां केवल किसी एक विशेष समुदाय तक सीमित नहीं होते, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और मानवता के लिए प्रेरणा-पुंज होते हैं। ऐसी ही एक महान लोकदेवी हैं भक्त शिरोमणि मां कर्मा। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को समूचे भारत में उनकी जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई जाती है। मां कर्मा की भक्ति के विषय में एक प्रसिद्ध पद है: ''कर्मा जैसी भक्ति कर, खिचड़ी खायें मुरार, छप्पन भोग को त्याग कर, आये भक्त के द्वार।'' मां कर्मा का जीवन सरल और आडंबरहीन था। वे प्रतिदिन प्रातः काल जगन्नाथ प्रभु (मुरार) के लिए खिचड़ी बनाती थीं। वे शास्त्र-पुराणों की ज्ञाता नहीं थीं, न ही उन्हें जटिल मंत्रों का ज्ञान था। उनकी पूंजी केवल उनका निष्कपट प्रेम और अटूट विश्वास था। जनश्रुति है कि उनकी पुकार सुनकर स्वयं भगवान श्रीकृष्ण एक बालक के रूप में उनके घर आते और बड़े चाव से खिचड़ी का भोग लगाते थे। एक बार एक विद्वान संत ने मां कर्मा को बिना स्नान किए और बिना कड़े नियमों के खिचड़ी बनाते देखा। उन्होंने कर्मा बाई को पवित्रता और विधि-विधान का पाठ पढ़ाया। अगले दिन, नियमों के पालन में देरी हुई और खिचड़ी बनने में विलंब हो गया। कथा कहती है कि जब पुरी के मंदिर में पट खुले, तो पुजारियों ने देखा कि प्रभु की मूर्ति के अधरों पर खिचड़ी के कण लगे थे। भगवान ने पुजारी को स्वप्न में दर्शन देकर कहा, ''मुझे कर्मा के प्रेम की खिचड़ी प्रिय है, तुम्हारे सूखे नियमों की नहीं।'' आज भी जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान का रथ मां कर्मा के मंदिर के सामने रुकता है, जहां उनकी खिचड़ी का भोग स्वीकार कर ही रथ आगे बढ़ता है। मां कर्मा के नाम में ही 'कर्म' समाहित है, जो जीवन में सत्कर्म, श्रम और उद्यम की महत्ता का प्रतीक है। साहू (तैलिक) समाज मां कर्मा को अपनी कुलदेवी मानता है, किंतु उनके आदर्श सनातन समाज के लिए सर्वकालिक हैं। तैलिक समाज पारंपरिक रूप से कठिन परिश्रम और सेवा के लिए जाना जाता है। समाज में प्रचलित कहावत ''तैलिक का तेल और साहू का सौदा, दोनों मेहनत से ही चमकते हैं'' मां कर्मा के 'श्रम ही धर्म' के संदेश को पुष्ट करती है।

संपादकीय

सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय

भारतीय न्यायिक इतिहास में कुछ निर्णय ऐसे होते हैं जो केवल कानूनों की व्याख्या नहीं करते, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की पराकाष्ठा को भी स्पर्श करते हैं। आमतौर पर देश की अदालतें प्रतिवर्ष कई अपराधियों को मृत्युदंड सुनाती हैं, तब न्याय की वेदी पर आसीन किसी न्यायाधीश को कोई आत्मग्लानि या संकोच नहीं होता, क्योंकि वह विधि सम्मत न्याय होता है। किंतु, सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसा निर्णय दिया जिसे पढ़ते हुए

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की आंखें सजल हो गईं। यह फैसला एक ऐसे व्यक्ति से संबंधित था जो पिछले कई वर्षों से जीवन और मृत्यु के बीच के उस धुंधलके में फंसा था, जहां न तो जीवन की कोई चेतना थी और न ही मृत्यु की शांति। यह मामला 32 वर्षीय हरीश राणा का है, जिनके माता-पिता ने सर्वोच्च न्यायालय से अपनी ही संतान के लिए कष्टों से मुक्ति की गुहार लगाई थी। हरीश पिछले 13 वर्षों से पूर्णतः अचेतन अवस्था (वेजिटेटिव स्टेट) में थे। वर्ष 2013 में एक छात्रावास की चौथी मंजिल से गिरने के कारण उनके मस्तिष्क में ऐसी गंभीर चोट आई थी जिसने उनके जीवन की दिशा सदैव के लिए बदल दी। लंबे समय तक गहन उपचार के बावजूद उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वे केवल सांस ले रहे थे, किंतु बाहरी दुनिया के प्रति उनकी कोई भी प्रतिक्रिया नहीं थी। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए उनके माता-पिता को जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की अनुमति प्रदान की। न्यायालय ने अत्यंत मार्मिक टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे प्रकरणों में मुख्य प्रश्न यह नहीं होता कि 'मृत्यु बेहतर है या नहीं', बल्कि यह देखना अनिवार्य है कि क्या कृत्रिम रूप से जीवन को खींचना उस व्यक्ति के हित में है जो स्वयं किसी भी प्रकार की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया देने में असमर्थ है। भारत में गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार की कानूनी यात्रा का आरंभ अरुणा शानबाग के हृदयविदारक मामले से हुआ था। अरुणा ने लगभग 42 वर्ष अचेतन अवस्था में बिताए थे। हालांकि उस समय उन्हें तत्काल मृत्यु की अनुमति नहीं मिली थी, किंतु उस मामले ने देश में 'निष्क्रिय इच्छामृत्यु' (पैसिव यूथेनेशिया) पर बहस की नींव रखी। इसके पश्चात, वर्ष 2018 में 'कॉमन कॉज' संस्था द्वारा दायर याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्राप्त 'जीवन के अधिकार' में 'गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार' भी सम्मिलित है। इसी निर्णय के साथ न्यायालय ने 'इच्छापत्र' (लिविंग विल) का अधिकार भी दिया। इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वस्थ रहते हुए यह लिखित निर्देश दे सकता है कि यदि भविष्य में वह ऐसी अचेतन स्थिति में पहुंच जाए जहां उसके ठीक होने की संभावना न हो, तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में इसी संवैधानिक अधिकार को आधार बनाया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुरक्षित बाजार की नींव

योगेश कुमार गोयल

बाजार में जमाखोरी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम और घटिया गुणवत्ता वाली वस्तुओं की बिक्री जैसी समस्याएं आम हैं। अक्सर उपभोक्ता गारंटी या वारंटी के बावजूद सेवा न मिलने या ठगी का शिकार होने पर खुद को असहाय महसूस करता है। इन्हीं चुनौतियों से निपटने और ग्राहकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस का विषय ''सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता'' रखा गया है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत विनियामक ढांचे की आवश्यकता पर बल देती है।

उपभोक्ता आंदोलन का इतिहास

उपभोक्ता अधिकारों की वैश्विक नींव 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी, लेकिन अधिकारिक तौर पर इस दिवस को मनाने की शुरूआत 1983 में हुई। भारत में इस आंदोलन का सूत्रपात 1966 में मुंबई से हुआ। इसके बाद 1974 में पुणे में 'ग्राहक पंचायत' की स्थापना हुई, जिसने विभिन्न राज्यों में उपभोक्ता कल्याणकारी संस्थाओं के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। हालांकि बाजार में शोषण पुराना है, लेकिन 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' के आने के बाद उपभोक्ताओं को त्वरित और कम खर्च पर न्याय मिलना संभव हुआ है। उपभोक्ताओं को ठगी से बचाने के लिए भारत सरकार ने 20 जुलाई 2020 को उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 लागू किया। इसने साढ़े तीन दशक पुराने 1986 के अधिनियम का स्थान लिया है। इस कानून के तहत हर वह व्यक्ति 'उपभोक्ता' है जिसने किसी वस्तु या सेवा के बदले धन का भुगतान किया है या करने का वचन दिया है। यदि खरीदी गई वस्तु या सेवा में कोई दोष है, तो उपभोक्ता क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है और उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

जब जागी उम्मीद

उपभोक्ता अदालतों की सक्रियता के कई प्रेरक उदाहरण मौजूद हैं। एक मामले में, गारंटी अवधि में खराब हुए बिजली के पंखे को बदलने में दुकानदार द्वारा आनाकानी करने पर अदालत ने न केवल नया पंखा देने, बल्कि हर्जाना भरने का भी आदेश दिया। इसी तरह, एक अभ्यर्थी का आवेदन पत्र 'स्पीड पोस्ट' की देरी के कारण समय पर नहीं पहुंच पाया, जिससे वह परीक्षा से वंचित रह गया। उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए आवेदक को मुआवजा देने का निर्देश दिया।

जागरूकता ही बचाव

विडंबना यह है कि देश की एक बड़ी आबादी अशिक्षित होने के कारण अपने अधिकारों से अनभिज्ञ है, परंतु शिक्षित वर्ग की उदासीनता और भी अधिक चिंतनीय है। लोग अक्सर शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने से हिचकिचाते हैं। किसी भी कानूनी लड़ाई को जीतने के लिए सबसे अनिवार्य शर्त है पक्का बिल (रसीद)। रसीद के अभाव में उपभोक्ता अपने दावे को सिद्ध नहीं कर पाता। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां लंबी और जटिल अदालती प्रक्रियाओं के बिना आसानी से शिकायत दर्ज की जा सकती है। यहां न तो भारी अदालती शुल्क की आवश्यकता होती है और न ही न्याय के लिए वर्षों का इंतजार करना पड़ता है।

टीम रोटी बैंक और स्वीटी राठौर ने वितरित की खिचड़ी

गणेश मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भिंड. शाबाश इंडिया। सामाजिक सेवा और नर-सेवा को ही नारायण-सेवा मानने वाली 'टीम रोटी बैंक' के सहयोग से शनिवार को शहर के गणेश मंदिर पर एक भव्य सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती स्वीटी राठौर द्वारा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और राहगीरों को प्रसादी के रूप में गरम खिचड़ी का वितरण किया गया।

भक्ति और सेवा का संगम

शनिवार सुबह से ही मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। प्रसादी वितरण के दौरान श्रद्धालुओं के साथ-साथ राहगीरों ने भी बड़े उत्साह के साथ प्रसादी ग्रहण की और टीम के इस पुनीत कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। उपस्थित जनों का कहना था कि इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में परोपकार, सेवा और आपसी सहयोग की भावना को नई मजबूती प्रदान करते हैं।

प्रमुख जनों की उपस्थिति

इस सेवा अभियान को सफल बनाने में रीता भदौरिया, अंजू भदौरिया, शिवी भदौरिया, बबलू सिंधी, दीपक चावला, रोमा शर्मा, पंकज मेहरोत्रा, अंकिता शर्मा, सुंदरम भदौरिया और आरुष सहित टीम रोटी बैंक के अन्य सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

नन्हे मुन्ने बच्चे दिखाएंगे अपनी खेल प्रतिभा

महावीर पब्लिक स्कूल में 'स्पोर्ट्स डे' का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'खेल से पंच गौरव तक' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में शनिवार, 14 मार्च 2026 को एक भव्य 'स्पोर्ट्स डे' (खेल दिवस) का आयोजन किया जा रहा है।

नवोन्मेषी खेलों का संगम

विद्यालय की 'महावीरा प्री-प्राइमरी विंग' के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का समय प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक रहेगा। इस दौरान बच्चे केवल पारंपरिक खेल ही नहीं, बल्कि सरकार की 'खेल से पंच गौरव तक' योजना के मुख्य घटकों पर आधारित विशिष्ट खेलों का आनंद लेंगे। इन खेलों के माध्यम से बच्चों को 'एक जिला-एक पर्यटन स्थल', 'एक जिला-एक उपज' और 'एक जिला-एक वनस्पति' जैसे विषयों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात समाज सेविका श्रीमती मृदुला जैन पांडिया होंगी। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, ऐसे आयोजनों का उद्देश्य न केवल बच्चों का शारीरिक विकास करना है, बल्कि उन्हें खेल-खेल में अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्रदेश की विविधताओं से परिचित कराना भी है।

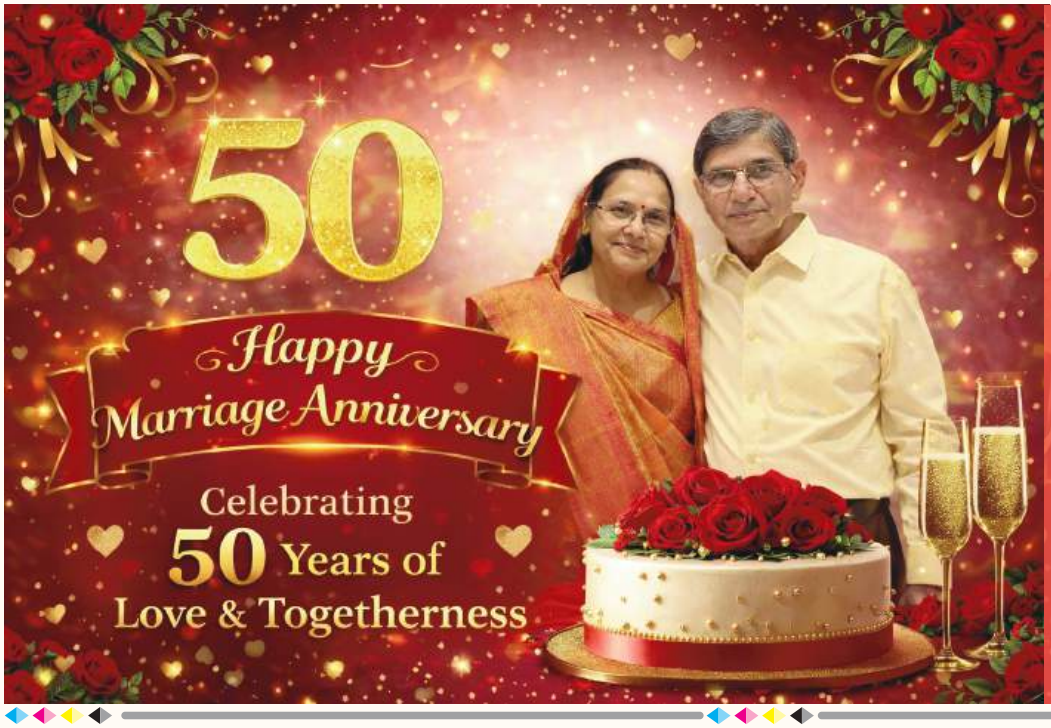

विवाह की स्वर्ण जयंती पर हार्दिक बधाई

दिगंबर जैन महिला महासमिति (राजस्थान अंचल) की ओर से चाकसू संभाग के वरिष्ठ, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व

श्रीमती मगनमाला सोगानी एवं श्रीमान भागचंद जी जैन (चाकसू)

को उनकी 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के पावन अवसर पर अनंत शुभकामनाएं

आपके स्नेह, आपसी विश्वास और अटूट बंधन का यह सफर समाज के सभी परिवारों के लिए एक आदर्श प्रेरणा है। महासमिति परिवार आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता है।

शुभकामना प्रेषक:
श्रीमती शकुंतला जैन (बिंदायका) - अध्यक्षा,
महिला महासमिति, राजस्थान अंचल
श्रीमती सुनीता गंगवाल - मंत्री
श्रीमती उर्मिला जैन - कोषाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य,
महिला महासमिति (राजस्थान अंचल)

बापू नगर महिला मंडल ने फूलों की होली और चंग की थाप पर मनाया स्नेह मिलन, पुष्पा बक्शी बनीं 'होली क्वीन'

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापू नगर दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'होली स्नेह मिलन' समारोह का भव्य आयोजन किया गया। टोंक रोड स्थित कान्हा रेस्टोरेंट के बैंकट हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आपसी प्रेम व भाईचारे के साथ रंगों के त्योहार का स्वागत किया।

मनोरंजक खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मंडल की अध्यक्षा सुरीला सेठी और सचिव रेणु लुहाड़िया (इमारत वाले) ने बताया कि कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक चला। समारोह में शकुन बाकीवाला, अंजू लुहाड़िया और रीमा गोदिका ने कई रोचक गेम्स खिलाकर महिलाओं का भरपूर मनोरंजन किया। होली के गीतों और चंग की थाप पर महिलाओं ने सामूहिक नृत्य का आनंद लिया। अंजू लुहाड़िया और सुरीला सेठी द्वारा खिलाई गई 'होली हाऊजी' ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

पुष्पा बक्शी 'होली क्वीन' और शशि पोखरणा 'मूर्खाधिपति' चयनित

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण 'होली क्वीन' और 'मूर्खाधिपति' प्रतियोगिता रही। प्रमिला कासलीवाल के अनुसार, निर्णायक मंडल ने श्रीमती पुष्पा बक्शी को 'होली क्वीन' और श्रीमती शशि पोखरणा को 'मूर्खाधिपति' के पद से नवाजा।

अतिथियों का सम्मान और फूलों की होली

कोषाध्यक्ष रेणु लुहाड़िया (घी वाले) ने बताया कि कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत रीतू कासलीवाल, बीना बूचरा और रेणु लुहाड़िया ने साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया। इसके पश्चात रीमा गोदिका और शकुन बांकीवाला ने चंग-ढाप की गूँज के बीच सभी को फूलों की होली खिलाई, जिससे पूरा वातावरण महक उठा।

कुशल संचालन और आभार

मंडल की उपाध्यक्ष कमलेश बाकलीवाल ने संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली और मंच संचालन का उत्तरदायित्व रेणु लुहाड़िया के साथ मिलकर बखूबी निभाया। अंत में सचिव रेणु लुहाड़िया ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नन्हे बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बिखेरे अपनी प्रतिभा के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर स्थित शांति जूनियर्स प्री-स्कूल में 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता' का शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भविष्य के विभिन्न पेशों से जुड़ी वेशभूषा पहनकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अभिभावकों के उत्साह के बीच बच्चे डॉक्टर, वास्तुकार, अंतरिक्ष यात्री और न्यायाधीश जैसे पेशेवर किरदारों में नजर आए। प्रतियोगिता में विशेष आकर्षण नन्ही बालिका वृंदा अग्रवाल रहीं, जिन्होंने 'अधिवक्ता' (लॉयर) के किरदार को बखूबी निभाया। वृंदा ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर स्वयं को प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस तरह के आयोजनों से बच्चों में रचनात्मक सोच और मंच पर अभिव्यक्ति का साहस बढ़ता है।

टीम रोटी बैंक और स्वीटी राठौर ने वितरित की खिचड़ी, गणेश मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भिंड. शाबाश इंडिया। सामाजिक सेवा और 'नर-सेवा ही नारायण-सेवा' के संकल्प को साकार करने वाली टीम रोटी बैंक के सहयोग से शनिवार को शहर के प्रसिद्ध गणेश मंदिर पर एक पुनीत कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती स्वीटी राठौर द्वारा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और राहगीरों को प्रसादी के रूप में गरम खिचड़ी का वितरण किया गया।

भक्ति और सेवा का अनूठा संगम

शनिवार सुबह से ही मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। प्रसादी वितरण के दौरान श्रद्धालुओं के साथ-साथ राहगीरों ने भी बड़े उत्साह के साथ प्रसादी ग्रहण की और टीम के इस सेवा भाव की मुक्तकंठ से सराहना की। स्थानीय जनों का कहना था कि इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में परोपकार, संवेदनशीलता और आपसी सहयोग की भावना को नई मजबूती प्रदान करते हैं। इस सेवा अभियान को सफल बनाने में रीता भदौरिया, अंजू भदौरिया, शिवी भदौरिया, बबलू सिंधी, दीपक चावला, रोमा शर्मा, पंकज मेहरोत्रा, अंकिता शर्मा, सुंदरम भदौरिया और आरुष सहित टीम रोटी बैंक के अन्य सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।

विवाह वर्षगांठ की मंगलकामनाएं

परस्पर प्रेम और विश्वास के अटूट बंधन की वर्षगांठ

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल की महिला प्रकोष्ठ
मंत्री एवं 'संगिनी फॉरएवर ग्रुप' की सांस्कृतिक मंत्री

श्रीमती शीला जी सेठी एवं
श्रीमान मनीष जी सेठी

को उनकी शादी की सालगिरह पर
हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं

समस्त महासमिति और संगिनी परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि आप दोनों का यह साथ सदैव सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण रहे। समाज और संगठन के प्रति आपकी सक्रियता और सेवा भावना हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

शुभकामना प्रेषक:
श्रीमती शकुंतला बिंदायका - अध्यक्षा
श्रीमती सुनीता गंगवाल - मंत्री
श्रीमती उर्मिला जैन - कोषाध्यक्ष
समस्त 'संगिनी फॉरएवर' परिवार
एवं महिला महासमिति (राजस्थान अंचल)

मरीजों के लिए 'संजीवनी' बना रक्तदान संगठन: एक कॉल पर रक्त देने पहुंच रहे युवा

भिंड. शाबाश इंडिया। चिकित्सा के क्षेत्र में रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए 'संजीवनी रक्तदान संगठन' एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। संगठन की सक्रियता और समर्पित रक्तदाताओं की तत्परता के चलते ब्लड बैंक में रक्त की कमी को समय रहते पूरा किया जा रहा है, जिससे कई गंभीर मरीजों को समय पर जीवनदान मिल रहा है। संजीवनी संगठन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी त्वरित प्रतिक्रिया (क्विक रिस्पांस) प्रणाली है।

भगवान आदिनाथ के जन्मकल्याणक पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भव्य रथयात्रा से धर्ममय हुआ शहर

भिंड. शाबाश इंडिया। श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, गौरी किनारा के तत्वावधान में गुरुवार को प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्मकल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः काल से ही मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रही।

अभिषेक, शांतिधारा और महामंडल विधान

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 7 बजे भगवान के भव्य अभिषेक एवं विश्व शांति की मंगल कामना हेतु शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात 'भक्तामर महामंडल विधान' का आयोजन किया गया। भगवान आदिनाथ पर प्रथम कलश करने का सौभाग्य राहुल जैन (टक्के) एवं शैलू जैन (एलआईसी) को प्राप्त हुआ। वहीं, विकास जैन, राजू जैन, महावीर प्रसाद जैन और अनीश जैन ने चार कलशों से अभिषेक करने का पुण्य अर्जन किया। शांतिधारा करने का सौभाग्य रजत जैन (हाउसिंग कॉलोनी) को मिला।

भव्य रथयात्रा और नगर भ्रमण

प्रातः 9 बजे किला गेट स्थित मंदिर से भगवान की भव्य रथयात्रा निकाली गई। श्रीजी की पालकी और रथयात्रा किला गेट से प्रारंभ होकर हनुमान बजरिया, सदर बाजार, परेड चौराहा और बताशा बाजार होते हुए पुनः किला क्षेत्र पहुँची। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजनों पर नृत्य करते और 'आदिनाथ भगवान की जय' के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह रथयात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। यात्रा के समापन पर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा और मंगल आरती की गई, जिसके पश्चात सभी भक्तों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था रही। मंच संचालन करते हुए शैलू जैन (एलआईसी) ने भगवान आदिनाथ के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान आदिनाथ का जन्म अयोध्या की पावन धरा पर हुआ था और उन्होंने कैलाश पर्वत से मोक्ष प्राप्त किया था। महोत्सव के क्रम में शाम 7 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इसके उपरांत महिला मंडलों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति और जैन धर्म पर आधारित प्रश्न मंच (क्विज) का आयोजन रखा गया, जिसमें समाज के युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस भव्य महोत्सव को सफल बनाने में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी, चंद्रप्रभु युवा समिति (गौरी किनारा), श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर कमेटी और विराग विशुद्ध बहु मंडल (किला गेट) का विशेष सहयोग रहा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

ग्रंथ सेठी ने प्रथम अभिषेक के साथ मनाया 8वां जन्मदिन, तीन पीढ़ियों के साथ 'सौधर्म इंद्र' बन पहुँचे मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्तमान चकाचौंध के युग में धार्मिक संस्कारों को प्रधानता देते हुए, नन्हे बालक ग्रंथ सेठी ने अपना 8वां जन्मदिन अत्यंत अनूठे और भक्तिमय अंदाज में मनाया। हेमेंद्र एवं सुरभि सेठी के सुपुत्र तथा सुरेश सेठी के पौत्र ग्रंथ ने अपने इस विशेष दिन की शुरूआत गाजे-बाजे के साथ मंदिर जी में प्रथम अभिषेक कर की। इस पावन अवसर पर ग्रंथ सेठी ने अपनी तीन पीढ़ियों के साथ 'सौधर्म इंद्र' की वेशभूषा धारण की। धर्म प्रभावना के उद्देश्य से निवास स्थान से मंदिर जी तक गाजे-बाजे के साथ एक भव्य लघु यात्रा निकाली गई। मंदिर पहुँचकर ग्रंथ ने विधि-विधान के साथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने का पुण्य लाभ अर्जित किया। बालक के इस धर्म अनुराग को देखकर उपस्थित समाजजन भावविभोर हो उठे। इस शुभ अवसर पर सेठी परिवार की ओर से मंदिर जी के विकास हेतु 5,100 रुपये की राशि भेंट की गई। प्रबंध समिति के मंत्री सुनील बिलाला ने बालक के इन उच्च संस्कारों की सराहना करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना ही सच्ची धर्म प्रभावना है। समिति ने ग्रंथ के पुण्य की भूरि-भूरि अनुमोदना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा वाकावाडा में जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित

शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाकावाडा में गुरुजनों को हृदयाघात से बचाव हेतु प्राथमिक चिकित्सा के रूप में जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गई। समारोह के मुख्य वक्ता महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रीमती जागृति व्यास ने की तथा विशिष्ट अतिथि नरपत सिंह राठौड़ रहे। प्रारंभ में जागृति व्यास ने महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा उनके विद्यालय का जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरण कार्यक्रम हेतु चयन करने पर आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। मुख्य वक्ता अजीत कोठिया ने महावीर इंटरनेशनल की जीवन रक्षक किट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस किट में एस्प्रिन 150 मि.ग्रा., सार्बिट्रेट 10 मि.ग्रा. तथा अटोरवेस्टेटिन 80 मि.ग्रा. की गोलियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को हृदयाघात की संभावना महसूस हो, जैसे छाती में दर्द, अत्यधिक पसीना आना या घबराहट होना, तो इन तीनों टैबलेट्स का सेट रोगी को तत्काल राहत देकर उसके जीवन को सुरक्षित रखते हुए अस्पताल तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण समय प्रदान कर सकता है। इस किट के माध्यम से हृदयाघात की आशंका वाले व्यक्ति की जान बचाने में सहायता मिल सकती है। कार्यक्रम में जागृति व्यास, नरपत सिंह राठौड़, अर्चना पाटीदार, सरला बुझ, प्रवीण पाटीदार, सुमन खाट, भूपेंद्र सिंह राठौड़, राजेंद्र पाटीदार, रीता कुमारी मकवाना तथा संगीता डामोर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा अंत में जागृति व्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 15 मार्च 2026
प्रातः 9.30 से 3 बजे तक

स्थान : वी.के.आई एसोसिएशन भवन
रोड़ नं. 1, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: संयोजक ::
पंकज जैन (मो. 9314633391)
आशीष जैन (मो. 9252233351)
रोनक जैन (मो. 8209568076)

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

तरुण कुमार जैन का ऐतिहासिक कीर्तिमान: एक दिन में बनाए 120 सदस्य, महासम्मेलन में हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय समागम 'मंथन' में जयपुर जिला युवा इकाई के अध्यक्ष तरुण कुमार जैन को उनकी अद्वितीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। तरुण जैन ने मात्र एक दिन में 120 प्राथमिक 'वैश्य मित्र' सदस्य बनाकर संगठन विस्तार की दिशा में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने किया बहुमान

जयपुर जिला महामंत्री संजय पाबूवाल ने बताया कि भांकरोटा स्थित समुराई पैलेस में आयोजित इस भव्य समारोह में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने तरुण जैन को माला एवं दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने तरुण जैन की कार्यक्षमता और समाज के प्रति उनकी निष्ठा की मुक्तकंठ से सराहना की।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

'मंथनः समाज की शक्ति एवं संगठन' विषय पर आयोजित इस समागम में वैश्य समाज की राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर की विभूतियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष एन.के. गुप्ता, प्रदेश प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री गोपाल दास गुप्ता और प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश कालानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, प्रदेश युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता, प्रदेश युवा महामंत्री केदार गुप्ता, प्रदेश महिला अध्यक्ष चारु गुप्ता और प्रदेश महिला महामंत्री सीमा सेठी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी तरुण जैन को इस गौरवशाली उपलब्धि पर बधाई दी।

संगठन को मिलेगी नई मजबूती

समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि तरुण जैन जैसे ऊर्जावान युवाओं के प्रयासों से ही समाज की शक्ति और संगठन का आधार सुदृढ़ होता है। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का फल है, बल्कि यह अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

ओल्ड ईदगाह कॉलोनी में आदिनाथ जन्म महोत्सव की धूम

भव्य पालकी यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

आगरा. शाबाश इंडिया। प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के पावन जन्म महोत्सव के अवसर पर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का संगम देखने को मिला। गुरुवार को आयोजित इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में पूरी कॉलोनी धर्ममय वातावरण में सराबोर नजर आई। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। भगवान आदिनाथ को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर मंदिर परिसर से यात्रा निकाली गई, जो ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी और पुष्प वर्षा कर पालकी यात्रा का भव्य स्वागत किया। जय-जयकार और मंगल गीतों के बीच श्रद्धालु झूमते-गाते यात्रा में शामिल हुए।

अभिषेक और शांतिधारा से मिली आध्यात्मिक शांति

पालकी यात्रा के पुनः मंदिर पहुंचने पर भगवान आदिनाथ का विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अभिषेक कर धर्म लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में निरंतर भक्ति पाठ और भजनों का दौर चलता रहा। इस पावन अवसर पर अमित जैन बॉबी, अतुल जैन, सनी जैन, आशीष जैन, नितिन जैन, अशोक जैन, दीपक जैन, अभिषेक जैन, पंकज जैन, अनुज जैन, विवेक जैन, राजकुमार जैन और सोनू जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के समस्त महिला मंडल ने भी बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर भजनों और नृत्य के माध्यम से अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त की। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान आदिनाथ का जीवन त्याग और संयम का मार्ग दिखाता है, और ऐसे आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ना है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

राजस्थान रीजन के तत्वावधान में सन्मति ग्रुप के सहयोग से हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा जयपुरिया अस्पताल ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में 51 व्यक्तियों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। यह शिविर राजस्थान रीजन के तत्वावधान में सन्मति ग्रुप के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या, शाबास इंडिया ई-पेपर के संपादक राकेश गोदिका, सचिव नीरज जैन, राकेश संघी एवं कमल ठोलिया सहित सन्मति ग्रुप के कई सदस्यों की गौरवमयी उपस्थिति रही। शिविर संयोजिका श्रीमती सरोज अजमेरा ने बताया कि रक्तदान शिविर शाम 7 बजे तक चला और बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने में ग्रुप के पदाधिकारी अमरचंद पाटनी, अशोक जैन, प्रदीप सोनी, रोहित जैन, विनोद अजमेरा, किशोर ठोलिया और ललित जैन ने भी सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर किरण जैन का विशेष सहयोग रहा।

नीम गोरिया क्षेत्रपाल मंदिर के दशम पाटोत्सव पर सात दिवसीय महोत्सव 4 अप्रैल से, भागवत कथा के बैनर का हुआ विमोचन

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)

शहर के आस्था के केंद्र नीम गोरिया क्षेत्रपाल मंदिर के दशम पाटोत्सव के उपलक्ष्य में आगामी 4 से 10 अप्रैल तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में ट्रस्ट मंडल एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें महोत्सव की रूपरेखा तैयार की गई।

युवाचार्य अभयदास महाराज के श्रीमुख से होगी कथा

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विराट श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का वाचन युवाचार्य अभयदास महाराज द्वारा किया जाएगा। प्रेमाराम बंजारा ने बताया कि मंदिर के दशम पाटोत्सव के इस पावन अवसर पर सर्वसमाज (36 कौम) की सहभागिता रहेगी। महोत्सव को लेकर पूरे नगर में उत्साह का माहौल है।

बैनर विमोचन और जिम्मेदारियों का बंटवारा

दिनेश कुमार दवे ने बताया कि बैठक के दौरान नगर के प्रमुख देवी-देवताओं का स्मरण कर भागवत कथा के बैनर का विधिवत पूजन और विमोचन किया गया। आयोजन को सुव्यवस्थित रूप देने के लिए ट्रस्ट द्वारा विभिन्न संगठनों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पहाड़सिंह राव ने जानकारी दी कि प्रचार-प्रसार हेतु नगर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर होर्डिंग्स व बैनर लगाए जा रहे हैं।

प्रमुख जनों की उपस्थिति

बैठक में प्रेमाराम बंजारा, नेनाराम चौहान, कपुराराम जीनगर, पहाड़सिंह राव, जयरुपाराम माली, जगदीश जाट, दिनेश दवे 'नवीन', डॉ. घनश्याम व्यास, वेलाराम घांची, जोगाराम पटेल, पारस घांची, पारस राजपुरोहित और कैसाराम देवासी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और भक्त उपस्थित रहे।

गायत्री नगर में आदिनाथ जन्म-तप कल्याणक महोत्सव की धूम

प्रभात फेरी और दीप अर्चना से धर्ममय हुआ माहौल

जयपुर. शाबाश इंडिया

गायत्री नगर, महारानी फार्म (दुर्गापुरा) स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में भारतीय संस्कृति के आद्य प्रणेता एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव 12 मार्च को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ प्रातः 6:15 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। शांतिधारा का सौभाग्य सुरेश जैन (रघुविहार) एवं संजय ठोलिया को प्राप्त हुआ। इसमें अशोक बड़जात्या, निर्मल सेठी और बसंत बाकलीवाल का विशेष सहयोग रहा। प्रातः 7:45 बजे अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा एवं उपाध्यक्ष अरुण शाह द्वारा दीप प्रज्वलन कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। बैंड-बाजों और जैन भजनों के साथ निकली इस शोभायात्रा में महिला-पुरुष पंचरंगी झंडे लिए साफा और दुपट्टा पहनकर शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। प्रभात फेरी के मंदिर पहुँचने पर श्रीजी के अभिषेक हुए, जिसमें माला पहनने का सौभाग्य गुंजन जैन (बांसवाड़ा) को मिला। अल्पाहार की व्यवस्था अशोक कुमार जैन पापड़ीवाल (विमल विला) द्वारा की गई। रात्रि में सामूहिक आरती के पश्चात भक्तामर पाठ रिद्धि-सिद्धि मंत्रों और दीप अर्चना के साथ भक्तिभाव से संपन्न हुआ। विधानाचार्य पं. अजित शास्त्री ने सभी मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराईं। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, मंत्री राजेश बोहरा, बीना टोंग्या, रेखा झांझरी, मंजू सेठी, वरिष्ठ एडवोकेट बिमल जैन और युवा विंग के पदाधिकारियों सहित संपूर्ण जैन समाज उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष अरुण शाह ने किया।

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा की पहल

महिला सशक्तिकरण एवं साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा)

नौगामा. शाबाश इंडिया। 'सब की सेवा, सबको प्यार' के उद्देश्य को लेकर महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा आदिनाथ जयंती के शुभ अवसर पर नगर में महिला सशक्तिकरण एवं साइबर ठगी से बचाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के निवेदन पर बांसवाड़ा की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट में तैनात महिला कांस्टेबल रक्षा पाटीदार एवं नैना पाटीदार ने महिलाओं को राजकोप सिटिजन ऐप डाउनलोड करवाया तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इस दौरान राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा महिलाओं की सुरक्षा तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में निम्न बिंदुओं पर विशेष जानकारी दी गई। राजकोप सिटिजन ऐप के बारे में जानकारी देकर ऐप डाउनलोड करवाया गया। महिलाओं को साइबर ठगी से बचाव तथा ठगी होने पर की जाने वाली कार्यवाही के बारे में बताया गया। यातायात नियमों की जानकारी दी गई। बाल विवाह रोकने के संबंध में जागरूक किया गया।

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 की जानकारी दी गई।

चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में बताया गया।

गरिमा हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी दी गई।

साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि आदिनाथ जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विशाल जैन समाज सहित अन्य ग्रामीण बंधुओं ने भी भाग लेकर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

10 वर्ष बाद आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का जयपुर में मंगल प्रवेश आज, राजस्थानी लवाजमे के साथ निकलेगा जुलूस

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का 10 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद रविवार को छोटी काशी जयपुर में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश होने जा रहा है। आचार्य बनने के पश्चात यह उनका जयपुर में पहला आगमन है, जिसे लेकर भक्तों में भारी उत्साह है। चित्रकूट कॉलोनी मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि आचार्य रविवार सुबह अनिल जैन बनेठा के संस्थान (आशावला) से विहार कर सेक्टर-5 प्रताप नगर पहुँचेंगे। हल्दीघाटी द्वार से एक भव्य जुलूस शुरू होगा, जो सेक्टर-3 और गौशाला

होते हुए चित्रकूट कॉलोनी स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुँचेगा। जुलूस में हाथी, घोड़े, ऊँट, बग्गी और बैंड के साथ राजस्थानी शाही लवाजमा शामिल रहेगा। महिला मंडल की सदस्याएं राजस्थानी पगड़ी पहनकर एक्टिवा रैली के रूप में अगुवाई करेंगी। युवा महासभा के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया एवं महामंत्री महावीर सुरेंद्र जैन ने बताया कि आचार्य श्री के छह मुख्य स्वप्नों में से तीन—चाकसू का आदिश्वर धाम, बापू गाँव का छोटा गिरनार और निमोडिया का गोलोक धाम—जयपुर जिले में ही साकार हुए हैं। आध्यात्मिक साधना के साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण जयपुर में उनके हजारों अनुयायी हैं। शनिवार को बनेठा परिवार के यहाँ आहार चर्या और आनंद यात्रा संपन्न हुई। अब चित्रकूट कॉलोनी में आचार्य श्री के सानिध्य में 10 दिवसीय 'सवोतोभद्र मंगल विधान' आयोजित किया जाएगा। प्रताप नगर, श्योपुर, वाटिका और गोवर्धन नगर सहित विभिन्न जैन समाजों द्वारा तोरण द्वार सजाकर आचार्य श्री की आरती उतारी जाएगी।

कुण्डलपुर में पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी का भव्य मंगल प्रवेश

बड़े बाबा के चरणों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

कुण्डलपुर (दमोह). शाबाश इंडिया। विश्व प्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर की पावन धरा पर शनिवार, 14 मार्च को श्रमण संस्कृति के महामहिम, चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के शिष्य पट्टाचार्य श्री के शुभागमन से तीर्थ क्षेत्र भक्ति और जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

शाही अगवानी और पाद प्रक्षालन

धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि आचार्य संघ के आगमन पर कुण्डलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों और देश के विभिन्न कोनों से आए हजारों गुरुभक्तों ने उनकी भव्य अगवानी की। इस अवसर पर ललित सराफ, अशोक सराफ, अजय निरमा, संजय कुबेर, अमर सेठ सहित पूरी कमेटी और स्टाफ ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया। 'नमोस्तु शासन जयवंत हो' के घोष के साथ श्रद्धालु पर्वत की सीढ़ियां चढ़कर बड़े बाबा के दरबार पहुँचे।

बड़े बाबा की महिमा पर आचार्य श्री के उद्गार

पर्वत स्थित विशाल पाषाण मंदिर में बड़े बाबा (भगवान आदिनाथ) के दर्शन कर पट्टाचार्य श्री भावविभोर हो उठे। उन्होंने अपने मुखारविंद से भगवान का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न कराई। इस अवसर पर उन्होंने कहा: ''कुण्डलपुर के बड़े बाबा पर पूरे विश्व की अटूट आस्था है। भगवान ऋषभदेव ने 'कृषि करो या ऋषि बनो' का सूत्र दिया था। आज भारत के कण-कण में जैनत्व व्याप्त है। स्वर्ग में भट्टारक सुरेंद्र कीर्ति जी और आचार्य विद्यासागर जी महाराज मुस्कुरा रहे होंगे। भट्टारक जी ने भगवान को छोटे स्थान पर विराजमान किया था, लेकिन आचार्य विद्यासागर जी ने उन्हें विशाल पाषाण मंदिर में स्थापित कर 'बड़े बाबा' को वास्तव में विराट स्वरूप प्रदान किया।'' महोत्सव के दौरान भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन हुआ। प्रथम अभिषेक, शांतिधारा और रिद्धि कलश का सौभाग्य अमन-सपना जैन (भोपाल), कैलाश चंद-राजेश जैन (सोनीपत), उदय सिंह-सिद्धार्थ जैन (वाराणसी) और कैलाशचंद्र-हरिश्चंद्र जैन (देवेन्द्रनगर) को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री की आहारचर्या दमोह निवासी आकाश सेठ एवं अक्षत सेठ परिवार के चौके में संपन्न हुई। सामायिक के पश्चात संत निवास में मंगल प्रवचन देते हुए आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इसके उपरांत आचार्य संघ का विहार गढ़ाकोटा की ओर हो गया। संघ का रात्रि विश्राम बेला जी ग्राम में संपन्न हुआ।

माहेश्वरी महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया गणगौर उत्सव

रावतसर. नरेश सिगची

रावतसर में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा शुक्रवार को माहेश्वरी भवन में गणगौर उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष इंदु बिहानी एवं उपाध्यक्ष इंदु लखोटिया के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। चंग की थाप पर जब पारंपरिक गीत गूंजे तो पूरा माहौल उत्सवमय हो उठा और महिलाओं ने झूमकर नृत्य किया। उत्सव के दौरान तंबोला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ खेल का आनंद उठाया। कार्यक्रम में हंसी-खुशी और पारंपरिक लोक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को गणगौर पर्व की शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता, सौहार्द और परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज की अनेक गणमान्य महिलाएं भी मौजूद रहीं, जिन्होंने आयोजन की सराहना की। अंत में माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से सभी उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहने का संकल्प लिया गया।

मानसिक विकास के लिए बिछेंगी शतरंज की बिसात

वाणी चेस क्लब का 15 दिवसीय निःशुल्क शिविर आज से

जयपुर। वाणी चेस क्लब (Vani Chess Club) के तत्वावधान में बच्चों और युवाओं के लिए 15 दिवसीय निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 15 मार्च से 29 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। मानसरोवर के हीरा पथ स्थित एम.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल (M.B.N. Sr. Sec. School) में आयोजित होने वाले इस शिविर का उद्देश्य खेल के माध्यम से बच्चों के मानसिक कौशल को निखारना है। अनुभवी प्रशिक्षकों से सीखेंगे खेल की बारीकियांइस प्रशिक्षण शिविर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक अपनी सेवाएं देंगे। विक्रम सिंह (FIDE इंस्ट्रक्टर एवं आर्बिटर), एडवोकेट पियूष शर्मा तथा दीपक राव जैसे विशेषज्ञ बच्चों को शतरंज की बारीकियों, ओपनिंग थ्योरी, रणनीतिक सोच और प्रतियोगी स्तर की तैयारी का गहन प्रशिक्षण देंगे। यह आयोजन डब्ल्यूपीएसएफ (WPSF) एवं मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से किया जा रहा है।उद्देश्य और समय सारिणीआयोजक जिनेश कुमार जैन (संस्थापक एवं आयोजन सचिव, वाणी चेस क्लब) ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में एकाग्रता बढ़ाना, रणनीतिक सोच विकसित करना और उन्हें अनुशासन के प्रति प्रेरित करना है। शिविर का समय प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से 10:30 बजे तक रहेगा।पंजीकरण की जानकारीयुवा अध्यक्ष वाणी जैन ने बताया कि क्लब इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से शतरंज की प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अपना पंजीकरण कराने के लिए मोबाइल नंबर 9511556110 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा तन्मय दरक ने रचा कीर्तिमान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

यह साबित करते हुए कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, उदयपुर के प्रतिभाशाली छात्र तन्मय दरक ने अपनी अद्भुत मानसिक क्षमता और एकाग्रता का परिचय देते हुए एक अनोखी उपलब्धि हासिल की है। तन्मय ने अपनी विशेष प्रतिभा के दम पर रिकॉर्ड बनाकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।

ब्लाइंडफोल्ड एक्टिविटी में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

तन्मय दरक ने ब्लाइंडफोल्ड एक्टिविटी (आंखों पर पट्टी बांधकर) के माध्यम से शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 7 मिनट में 76 ऐतिहासिक स्मारकों और लैंडमार्क्स की पहचान कर उनके नाम बताए। यह पहचान फ्लैश काड्र्स पर दिखाई गई तस्वीरों के आधार पर की गई। इस उपलब्धि के समय तन्मय की आयु 11 वर्ष 7 माह 5 दिन थी। इस रिकॉर्ड की पुष्टि 12 फरवरी 2026 को की गई।

विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में मिली सफलता

इस उपलब्धि के पीछे क्रिएंजा की संस्थापक डॉ. पश्मीना जैन का प्रेरणादायी मार्गदर्शन रहा। उनके द्वारा दिए गए वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण ने तन्मय दरक की मानसिक क्षमता, एकाग्रता और स्मरण शक्ति को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही ए ब्रेन कोच, जयपुर के प्रशिक्षक प्रवीण पारीक और निशा पारीक द्वारा दिए गए विशेष सेंसरी एनहांसमेंट प्रशिक्षण और नियमित अभ्यास ने भी इस उपलब्धि को संभव बनाने में अहम योगदान दिया। तन्मय के पिता सत्येंद्र दरक और माता नेहा दरक ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन, सकारात्मक वातावरण और नियमित अभ्यास से बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारा जा सकता है। यह उपलब्धि न केवल उदयपुर, बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है। संस्था ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में तन्मय दरक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

रिपोर्ट / फोटो :
राकेश शर्मा 'राजदीप'

तमाशा बनाकर अपमान करने वालों को यह समझना होगा कि हर बात की एक कीमत होती है

कभी-कभी जीवन में ऐसी परिस्थितियाँ आ जाती हैं, जब इंसान यह समझ नहीं पाता कि सामने वाले की नीयत क्या है—वह वास्तव में संवाद चाहता है या केवल तमाशा बनाना चाहता है। क्षमा करना हमारे संस्कारों में है। विशेषकर जैन संस्कृति में तो क्षमा को धर्म का मूल कहा गया है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कोई व्यक्ति बार-बार अपमान करे, झूठ फैलाए और फिर यह उम्मीद करे कि सामने वाला चुपचाप सब सहता रहेगा। जब किसी बात को समझाने के बजाय उसे सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, जब सच्चाई को दबाकर भ्रम फैलाया जाता है, तब यह केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं रह जाता, बल्कि समाज की चेतना और सम्मान का विषय बन जाता है। अक्सर कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि किसी कमजोर समझे जाने वाले व्यक्ति को सताना बहुत आसान होता है। लोग उसकी चुप्पी को उसकी कमजोरी मान लेते हैं, उसका धैर्य उन्हें डरपोकपन लगने लगता है और वे लगातार उसे अपमानित करने या दबाने का प्रयास करते रहते हैं। लेकिन इतिहास और अनुभव दोनों यह बताते हैं कि जब वही कमजोर समझा जाने वाला व्यक्ति अन्याय के विरुद्ध खड़ा होता है और प्रतिकार करता है, तब वह कुछ भी अधूरा नहीं छोड़ता। तब उसकी चुप्पी टूटती है और सच्चाई पूरी ताकत के साथ सामने आती है।

इसलिए जो लोग यह सोचते हैं कि किसी की सहनशीलता उसकी स्थायी कमजोरी है, वे बहुत बड़ी भूल करते हैं। सहनशीलता तब तक ही रहती है, जब तक मयार्दा बनी रहती है। लेकिन जब मयार्दा को ही कुचल दिया जाता है, तो सच का सामने आना अनिवार्य हो जाता है। सवाल केवल माफ करने का नहीं होता, सवाल यह भी होता है कि क्या किसी को अपमानित करके, उसे बदनाम करके और उसे उपहास का विषय बनाकर यह उम्मीद की जाए कि सब कुछ सामान्य मान लिया जाएगा? यदि किसी ने जानबूझकर किसी व्यक्ति या विषय को तमाशा बनाया है, तो उसे यह भी समझना चाहिए कि हर तमाशे की एक कीमत होती है और वह कीमत कभी-न-कभी चुकानी पड़ती है। समाज भी अब इतना भोला नहीं रहा कि झूठ और प्रचार के बीच का अंतर न समझ सके। सत्य देर से सामने आता है, लेकिन जब आता है तो बहुत स्पष्ट होकर आता है। तब लोगों को यह भी समझ में आ जाता है कि वास्तव में किसने क्या किया था। इसलिए बेहतर यही है कि लोग समय रहते अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, क्योंकि सम्मान बनाना वर्षों का काम होता है, लेकिन उसे खोने में एक क्षण भी नहीं लगता।

नितिन जैन: संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल मोबाइल : 9215635871

एक शाम नाकोड़ा पार्श्व भैरव के नाम भक्ति संध्या आज

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्ति मंडल हिरणमगरी सेक्टर 4, ओसवाल सभा उदयपुर एवं लोढ़ा भाईपा संस्थान द्वारा स्व. केसरबाई लोढ़ा की पावन स्मृति में 15 मार्च रविवार को टाउनहॉल प्रांगण में एक शाम नाकोड़ा पार्श्व भैरव के नाम भव्य भक्ति संध्या आयोजित की जायेगी। जिसके लिये पाण्डाल निर्माण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया। संस्थान अध्यक्ष मनोहर तलेसरा ने बताया कि निर्माण जिसमें पाश्र्वनाथ भगवान की 108 दीपक से महाआरती की जायेगी। संस्थान के चिंतन लोढ़ा बताया कि भूमि पूजन में मण्डल सदस्यों मनीष बोहरा, पारसमल खोखावत, संजय इंटोदिया, संजय खमेसरा, भरत दाणी,ललित लोढा,नरेश लोढ़ा, दिलीप लोढ़ा व राजेश नलवाया ने भाग लिया। निर्माण जिसमें पाश्र्वनाथ भगवान की 108 दीपक से महाआरती की जायेगी। सचिव हस्तीमल लोढ़ा ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही पाण्डाल का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया। शनिवार को मण्डल की सभी महिलाओं ने नाकोड़ा भैरव के नाम की मेंहदी लगाई। कोषाध्यक्ष अशोक कुमार बोकडिया ने बताया कि रविवार 15 मार्च को दोपहर 3 बजे श्री वासुपज्य मंदिर सूरजपोल से भव्य वर घोड़ा प्रारंभ होकर टाउनहॉल में संपन्न होगा। जिसमें घोड़े,सैकड़ों भैरव भक्त,बैंड की मधुर धुनों के साथ नाचते झूमते चलेंगे। वरघोड़ा मे निरागरत्न विजय महाराज व कीर्ति रेखाश्री महाराज सा की पावन निश्रा मिलेगी। सायं 7 बजे भव्य भक्ति होगी जिसमें विश्व प्रसिद्द गायक कलाकार नरेंद्र भाई वाणी गोता अपनी टीम के साथ भैरव भजनों की प्रस्तुति देंगे। भक्ति के तैयारियां जोरों पर चल रही है। मण्डल के सभी सदस्य धवल वस्त्रों में एवं महिलायें डेसकोड साड़ी में होगी। जिसमें सभी भैरव भक्तों ओर विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। भक्ति के मुख्य आयोजक अमृतलाल, रमेश, दर्शन एवं चिंतन लोढ़ा परिवार होंगे।

रिपोर्ट फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर में केमिस्ट संगठनों की राष्ट्रीय बैठक आज से, दवा व्यापार से जुड़े मुद्दों पर मंथन

ऑनलाइन दवा बिक्री, नकली दवाओं और सरकारी नीतियों पर होगा विचार; कार्रवाई नहीं हुई तो भारत बंद तक का आह्वान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान केमिस्ट एलायंस के तत्वावधान में देशभर के केमिस्ट संगठनों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक शनिवार से उदयपुर के होटल मेरियट में आयोजित होगी। इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 300 प्रतिनिधि भाग लेंगे और फार्मास्युटिकल व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा करेंगे। राजस्थान केमिस्ट एलायंस के अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में दवा व्यापार के डिजिटलीकरण, व्यापार व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और संगठित बनाने तथा ऑनलाइन फार्मेसी के माध्यम से हो रही अवैध दवा बिक्री जैसे विषयों पर गंभीर मंथन किया जाएगा। बैठक में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के अध्यक्ष जे. एस. सिंधे, महासचिव राजीव सिंघल तथा आयोजन सचिव संदीप नांगिया सहित कई प्रमुख पदाधिकारी भी भाग लेंगे। गुप्ता ने दावा किया कि वर्तमान में बाजार में लगभग 40 प्रतिशत दवाएं या तो नकली हैं या डुप्लिकेट के रूप में बेची जा रही हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में सौ से अधिक ऐसे उत्पाद हैं जो नकली या डुप्लिकेट रूप में खुलेआम बाजार में उपलब्ध हैं और उन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं है। विभिन्न राज्यों में बनने वाली ऐसी दवाएं जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं और इससे दवा कारोबारियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के लगभग साढ़े बारह लाख सदस्य हैं और उनके परिवारों को जोड़ दिया जाए तो करीब पांच करोड़ लोगों का जीवन इस व्यवसाय पर निर्भर है। इसके अलावा देश में करीब दस लाख फार्मासिस्ट भी इस क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके बावजूद ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण पारंपरिक केमिस्ट कारोबार पर लगातार नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री पूरी तरह अवैध और गैरकानूनी है, इसके बावजूद विदेशी कंपनियां इस माध्यम से भारतीय बाजार में व्यापार कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कंपनियां तय मार्जिन और कीमत से भी कम दरों पर दवाएं बेचकर बाजार में अपनी एकाधिकार स्थिति बनाने का प्रयास कर रही हैं, जबकि इतना अधिक मार्जिन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन ने हाल ही में सरकार द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों को फॉर्म 20-ए और 21-ए के अंतर्गत औषधि लाइसेंस देने के प्रस्ताव का भी कड़ा विरोध किया है। संगठन का कहना है कि बिना लाइसेंस, उचित शिक्षा और फार्मासिस्ट की उपस्थिति के दवाओं की बिक्री जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। गुप्ता ने चेतावनी दी कि उदयपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय बैठक में सरकार को अंतिम चेतावनी के रूप में प्रस्ताव पारित किया जाएगा। यदि इसके बाद भी सरकार ने आवश्यक कार्रवाई नहीं की तो संगठन पहले एक दिन के सांकेतिक भारत बंद का आह्वान करेगा और आवश्यकता पड़ने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसे कठोर कदम भी उठाए जा सकते हैं।

रिपोर्ट / फोटो :
राकेश शर्मा 'राजदीप'

जैन सोशल ग्रुप 'संस्कार' का पूर्वोत्तर भारत भ्रमण

72 सदस्यों का दल 13 दिवसीय यात्रा पर रवाना

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप 'संस्कार' के सदस्यों का एक दल शनिवार को असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश की 13 दिवसीय प्राकृतिक व आध्यात्मिक यात्रा के लिए उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। यह दल पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति, शक्तिपीठों और प्राकृतिक वादियों का अवलोकन कर 26 मार्च को वापस लौटेगा। संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी एवं अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के नेतृत्व में रवाना हुई इस यात्रा में कुल 72 सदस्य शामिल हैं। यात्रियों को पूरी यात्रा के दौरान शुद्ध जैन भोजन उपलब्ध हो सके, इसके लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। राशन और बर्तनों से सुसज्जित कैटरर्स की टीम दो दिन पूर्व ही ट्रक के साथ गंतव्य के लिए रवाना की जा चुकी है। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन ने बताया कि ऐसी यात्राओं का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और संगठन की भावना को सुदृढ़ करना है। स्टेशन पर यात्रियों को विदा करने के लिए बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य एकत्रित हुए। इस अवसर पर सचिव जितेंद्र-लाजवंती धाकड़, कोषाध्यक्ष किरण पोखरना, राजेंद्र-महिमा चौरड़िया और कोठारी परिवार सहित अन्य सदस्यों ने सभी को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

महावीर और हमारा आज

युवाओं के लिए भव्य भाषण प्रतियोगिता का आगाज, महामस्तकाभिषेक 22 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 'जीओ और जीने दो' के सिद्धांतों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए राजस्थान जैन सभा, जयपुर द्वारा ''महावीर और हमारा आज'' विषय पर एक विशेष भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 25 वर्ष के युवाओं के लिए आयोजित यह प्रतियोगिता चार चरणों में संपन्न होगी। सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि प्रतियोगिता का प्रथम चरण 15 मार्च को, द्वितीय 19 मार्च को, तृतीय 22 मार्च को और फाइनल 26 मार्च को होगा। जयपुर के 5 संभागों के विभिन्न मंदिरों से 200 से अधिक प्रतिभागी इसमें हिस्सा लेंगे। उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार, प्रथम चरण के लिए 'डिजिटल युग में संस्कारों की सुरक्षा' एवं 'पर्यावरण संरक्षण और हमारी जिम्मेदारी' जैसे समसामयिक विषय रखे गए हैं। मुख्य संयोजक राखी जैन के नेतृत्व में यह प्रतियोगिता प्रतिदिन सायं 7:30 बजे चयनित मंदिरों में आयोजित होगी। फाइनल के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसमें प्रथम पुरस्कार रुपए 15,000, द्वितीय (दो विजेता) रुपए 11,000, और तृतीय (तीन विजेता) रुपए 7,500 निर्धारित हैं। भट्टारक जी की नसिया में आयोजित तैयारी बैठक में कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

के द्वारा

रक्तदान जीवन दान

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

रक्तदान शिविर

एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 15 मार्च 2026
प्रातः 9 से 12 बजे तक

स्थान : चित्रगुप्त ज्ञान मन्दिर
मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: मुख्य अतिथि ::
श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार–आभा बज

:: विशिष्ठ अतिथि ::
श्रीमान् संजीव शर्मा (पूर्व पार्षद)

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

संयोजक :: कैलाश बक्शी, राकेश कुमार संघी, मुकेश जैन

Vardhman Printers # 9314263204

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

दिगंबर जैन महा समिति महिलांचल राजस्थान
निवाई इकाई

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर

एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 15 मार्च 2026
प्रातः 10 से 2 बजे तक

स्थान : अग्रवाल मन्दिर
कृषि मण्डी के सामने, निवाई

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान अंचल निवाई इकाई
शशि सौगानी : अध्यक्षा, शकुन्तला छाबड़ा : मंत्री
विशेष सहयोगी : दिगम्बर जैन महासमिति निवाई इकाई
हुकुम चंद प्रेस वाले

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

कार्यक्रम सहयोग कर्त्ता :
श्रीमान् सुनील भांजा, संजय सोगानी, विमल जोला

चित्र अनावरण कर्त्ता :
श्रीमान् लालचन्द जी (कठमाणा वाले)

दीप प्रज्जवलन कर्त्ता :
श्रीमान् मोहित चावरिया